https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ

नई दिल्ली | के.वि.सं. (मु.)

संस्करण: अक्टूबर 2025
वर्ष-1, अंक- 4
4 पृष्ठ

केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

संपादकीय

राजभाषा हिंदी को समर्पित

यह गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय को लगातार दूसरे वर्ष राजभाषा विभाग का सर्वोच्च सम्मान 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' प्राप्त हुआ है। गत वर्ष संगठन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था और इस बार द्वितीय पुरस्कार अर्जित कर हिंदी के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध किया है। यह पुरस्कार वास्तव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय भाषाओं के संवर्द्धन हेतु दिए गए सुझावों के केन्द्रीय विद्यालय संगठन में सफल क्रियान्वयन का प्रतिबिंब है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा यह पुरस्कार उन संस्थानों को प्रदान करता है, जिन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रयोग, प्रोत्साहन और प्रसार में उत्कृष्ट कार्य किया हो। यह सम्मान संगठन के सतत प्रयासों और कर्मठ टीम भावना का परिणाम है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन सदैव यह सुनिश्चित करता रहा है कि हिंदी केवल औपचारिक भाषा न रहकर हमारी कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बने। संगठन के प्रकाशनों, कार्यालयीन पत्राचार, संचिकाओं पर नोट लेखन और दैनिक कार्यप्रवाह में हिंदी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि संगठन राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इस उपलब्धि का श्रेय संगठन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को है, जिन्होंने हिंदी को अपने व्यवहार और कार्यप्रणाली में सहज रूप से आत्मसात किया है। हिंदी का यह समर्पित प्रयोग न केवल प्रशासनिक दक्षता को सुदृढ़ करता है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को भी पुष्ट करता है।

यह पुरस्कार हमें प्रेरित करता है कि हम हिंदी को केवल कार्यालय की भाषा तक सीमित न रखकर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार की भाषा के रूप में भी विकसित करें। निस्संदेह, यह उपलब्धि संगठन की उस सतत यात्रा का प्रतीक है जो राजभाषा हिंदी को राष्ट्रजीवन की मुख्यधारा में स्थापित करने के संकल्प से प्रेरित है।

~प्राची पाण्डेय
आयुक्त

मिशन कर्मयोगी: के.वि.सं. में पेशेवर कौशल और सेवा भाव का समन्वय

चंदना मंडल
अपर आयुक्त (शै.) के.वि.सं. (मु.) नई दिल्ली

भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए दूरदर्शी कार्यक्रम 'मिशन कर्मयोगी' को केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ अपनाया है। इस मिशन का उद्देश्य कर्मचारियों को आवश्यक कौशल, सही दृष्टिकोण और पेशेवर मूल्यों से सुसज्जित करना है, जिससे वे सार्वजनिक सेवा में नई ऊँचाइयों को छू सकें।

देशभर में फैले अपने सभी विद्यालयों और हजारों कर्मचारियों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से के.वि.सं. ने जुलाई और अगस्त 2025 में इस पहल के तहत व्यापक व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इस प्रशिक्षण यात्रा की शुरुआत चार लीड ट्रेनर्स से हुई, जिन्हें कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन द्वारा तैयार किया गया था। इन लीड ट्रेनर्स ने देशभर में 210 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया, जिनके माध्यम से लगभग 20,000 शिक्षक एवं गैर-शिक्षक कर्मचारियों को एक-दिवसीय सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

KARMAYOGI BHARAT
BEGINNING OF A NEW ERA

यह कार्यक्रम केवल पेशेवर दक्षता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें व्यवहारिक विकास को भी उतनी ही प्राथमिकता दी गई। प्रशिक्षण सत्रों में स्वयं-जागरूकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, प्रभावी संवाद, टीमवर्क और सेवा-उन्मुखता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर बल दिया गया। इन सत्रों का उद्देश्य कर्मचारियों को कार्य निष्पादन से आगे बढ़ाकर सहानुभूति, जिम्मेदारी और जनसेवा के दृष्टिकोण से कार्य करने के लिए प्रेरित करना रहा।

'कर्मयोगी' की संकल्पना भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों में गहराई से निहित है, जहाँ कर्म को पूजा माना गया है। यह सिद्धांत शिक्षा क्षेत्र में विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ शिक्षक महज़ जानकारी देने वाले नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के निर्माता होते हैं। इस कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया है कि शिक्षा में बदलाव केवल कौशल के विकास से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण में बदलाव से संभव है।

प्रशिक्षण सत्रों के साथ-साथ, कर्मचारियों को iGOT कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण कर छह अनिवार्य डिजिटल पाठ्यक्रम पूरे करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि यह सशक्तिकरण केवल कक्षा तक सीमित न रहकर डिजिटल रूप से भी सतत रूप से जारी रहे, और सभी कर्मचारियों को समान अवसर मिले।

के.वि.सं. के लिए, 'मिशन कर्मयोगी' केवल एक प्रशिक्षण योजना नहीं, बल्कि कौशल, संस्कृति और उद्देश्यपूर्ण सेवा के समन्वय के माध्यम से एक सशक्त और संवेदनशील कार्यबल का निर्माण है। यह पहल न केवल विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रति सेवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगी, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण में के.वि.सं. की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएगी।

स्वच्छता ही सेवा

केन्द्रीय विद्यालयों में स्वच्छता और जागरूकता का उत्सव

देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य और सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अभियान में विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी स्वच्छता शपथ का उत्साहपूर्वक पालन करते हुए विद्यालय परिसर को स्वस्थ और स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। 'स्वच्छोत्सव' के तहत आयोजित चित्रकला, निबंध और नारा लेखन जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों को स्वच्छता और जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। विद्यालय अपशिष्ट प्रबंधन को जिम्मेदारीपूर्वक लागू करते हुएं खराब वस्तुओं के पुन: उपयोग को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं, साथ ही एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने पर जोर भी दिया जा रहा है। इन गतिशील पहलों के माध्यम से केन्द्रीय विद्यालयों में स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की मजबूत संस्कृति का विकास किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया जा सके।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हजारीबाग

खेल और शिक्षा का संगम: के.वि.सं. में राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता

अमर पाल सिंह बरार
सहायक आयुक्त (स्थापना -1 एवं खेल), के.वि.सं. (मु.), नई दिल्ली

पीएम श्री के.वि. नंबर 1 एएफएस आगरा में 54वीं के.वि.सं. राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता की झलकियाँ

केन्द्रीय विद्यालय संगठन शिक्षा के क्षेत्र में केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में संगठन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को अपनाते हुए खेलों और कलाओं को शिक्षा का अनिवार्य अंग बना रहा है।

प्रतिभा का विकास

के.वि.सं. ने एक बहु-स्तरीय प्रतियोगी ढांचा विकसित किया है, जिसमें विद्यालय स्तर से शुरू होकर उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर तक खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इस क्रम में उभरती हुई प्रतिभाओं को नेशनल स्कूल गेम्स चैंपियनशिप, खेलो इंडिया गेम्स और अन्य सरकारी/फेडरेशन समर्थित टूर्नामेंट्स में भाग लेने का अवसर भी मिलता है।

समान मंच

एनईपी 2020 के अनुसार, के.वि.सं. ने 22 खेल विधाओं को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है, जो तीन आयु वर्गों — अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 में विभाजित हैं। इनमें व्यक्तिगत खेल जैसे एथलेटिक्स, तैराकी, योग, शतरंज, मुक्केबाज़ी, जूडो, ताइक्वांडो, स्केटिंग, शूटिंग, रस्सीकूद और बैडमिंटन शामिल हैं, वहीं कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और हैंडबॉल जैसी टीम स्पर्धाएँ भी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं।

छात्र और छात्राएँ दोनों को समान अवसर प्रदान कर के.वि.सं. समावेशिता और लिंग समानता को भी सुनिश्चित करता है, जो आधुनिक शिक्षा की अनिवार्यता है।

आत्मविश्वास और नेतृत्व का मंच

के.वि.सं. राष्ट्रीय खेल महोत्सव (एनएसएम) में विद्यार्थियों को न केवल मंच प्रदान करा रहा है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व और चरित्र निर्माण की भावना को भी प्रोत्साहित कर रहा है। 53वें राष्ट्रीय खेल महोत्सव 2024 में ₹ 1.96 करोड़ की राशि 3,707 विजेताओं में वितरित की गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि के.वि.सं. न केवल भागीदारी, बल्कि उत्कृष्टता को भी पुरस्कृत करता है।

54वां राष्ट्रीय खेल महोत्सव 2025, जो जुलाई से नवंबर तक देशभर के नौ संभागों में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन फिर एक बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने में के.वि.सं. की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

> के.वि.सं. का एसजीएफआई से जुड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि उसके द्वारा प्रदान किए गए प्रमाणपत्रों को राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के समकक्ष मान्यता मिले। इससे विद्यार्थियों के लिए खेल कोटे के तहत प्रवेश एवं भर्ती के अवसरों के नये द्वार खुलते हैं।

उज्ज्वल भविष्य की राह

एनईपी 2020 के निर्देशों के अनुसार, खेल अब केवल सह-पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि मुख्य पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। के.वि.सं. का स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के साथ जुड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि संगठन के प्रमाणपत्र राज्य स्तर के टूर्नामेंट्स के समकक्ष माने जाएँ। इससे विद्यार्थियों के लिए खेल कोटे के तहत कॉलेज प्रवेश और सरकारी भर्ती जैसी संभावनाओं के द्वार खुलते हैं।

शिक्षा और खेल का समन्वय

शिक्षा के साथ खेल को जोड़ते हुए, के.वि.सं. वास्तव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य को जमीनी स्तर पर लागू कर रहा है। इसके माध्यम से संगठन ऐसे नागरिकों का निर्माण कर रहा है जो आत्मविश्वासी, अनुशासित और नेतृत्वकर्ता हैं और जो आने वाले भारत के प्रणेता बन सकें।

सफलता की कहानी और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियां

गणित के विश्व विजेता– युवराज सिंह

■ के.वि.सं. क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़

केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर 47, चंडीगढ़ के होनहार छात्र युवराज सिंह ने गणित के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी असाधारण उपलब्धियों से न केवल विद्यालय का बल्कि पूरे राष्ट्र का नाम रोशन किया है। उनकी कहानी समर्पण, प्रतिभा और उचित मार्गदर्शन की मिसाल है।

सितंबर 2025 युवराज के जीवन का स्वर्णिम अध्याय बना, जब उन्होंने मलेशिया में आयोजित ग्लोबल लीग ऑफ़ विनर्स इंक. में स्वर्ण पदक, ट्रॉफी और वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। विश्व के सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभागियों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए उनकी इस विजय ने भारत को गणितीय उत्कृष्टता के वैश्विक मानचित्र पर विशेष पहचान दिलाई।

इससे कुछ ही सप्ताह पूर्व युवराज ने सिंगापुर इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड चैलेंज-2025 में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया। 34 देशों के 2,480 प्रतिभागियों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने दो कांस्य पदक हासिल किए और टीम राउंड व मास्टर माइंड्स ग्लोबल फाइनल राउंड में विश्व स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

युवराज की यह यात्रा अमेरिकन मैथमेटिक्स ओलंपियाड-2024 से प्रारंभ हुई थी। सदर्न इलिनॉय यूनिवर्सिटी, अमेरिका द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने ग्लोबल ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके साथ ही स्टेट रैंक-1, कंट्री रैंक-8 तथा ग्लोबल रैंक-16 प्राप्त कर उन्होंने अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया।

सन् 2021 में केन्द्रीय विद्यालय से जुड़ने के बाद से ही युवराज ने निरंतर परिश्रम, विश्लेषणात्मक सोच और समस्या-समाधान की अद्वितीय क्षमता प्रदर्शित की। उनके शिक्षकों का मार्गदर्शन, प्राचार्य का नेतृत्व और परिवार का सहयोग उनकी सफलता की आधारशिला बना। उनका परिवार मानता है कि विद्यालय की प्रेरणा और घर के प्रोत्साहन ने मिलकर उन्हें वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने का आत्मविश्वास दिया।

युवराज सिंह की यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का क्षण है। उनकी कहानी इस बात की प्रेरणा देती है कि दृढ़ निश्चय, सतत परिश्रम और उचित मार्गदर्शन से भारतीय विद्यार्थी न केवल अकादमिक जगत में बल्कि विश्व मंच पर भी विजयी हो सकते हैं।

युवराज सिंह की उपलब्धियाँ

विश्व चैंपियन 2025 – ग्लोबल लीग ऑफ़ विनर्स इंक, मलेशिया में स्वर्ण पदक एवं ट्रॉफी

SIMOC-2025, सिंगापुर
दो कांस्य पदक
विश्व रैंक-3 (टीम राउंड एवं मास्टर माइंड्स फाइनल)

AMO-2024, अमेरिका
ग्लोबल कांस्य पदक
राज्य रैंक-1, राष्ट्रीय रैंक-8, वैश्विक रैंक-16

मॉस्को पुस्तक मेले में भारत का परचम

■ **बिघ्नेस्वर पटनायक**
प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय मॉस्को, रूस

38वाँ मॉस्को अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला (एमआईबीएफ) 3 से 7 सितम्बर 2025 तक ऐतिहासिक वीडीएनकेएच प्रदर्शनी मैदान में आयोजित हुआ, जिसमें भारत "अतिथि देश" के रूप में शामिल हुआ। इस अवसर पर भारत ने अंग्रेज़ी, हिंदी, बांग्ला, तमिल सहित विभिन्न भाषाओं की 2,500 से अधिक पुस्तकों का प्रदर्शन किया, साथ ही बच्चों की पुस्तकों के रूसी अनुवाद भी प्रस्तुत किए।

रूस सहित बेलारूस, ईरान, चीन, यूएई, सऊदी अरब और उत्तर कोरिया जैसे देशों के 300 से अधिक प्रकाशक और वितरक इस मेले में शामिल हुए। भारतीय मंडप अपनी विविध प्रस्तुतियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ योग, आयुर्वेद, प्रौद्योगिकी, कला, सिनेमा और पर्यटन पर 50 से अधिक चर्चाएँ व संवाद हुए।

सांध्यकालीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय और समकालीन कलाओं का संगम दिखाया। साथ ही साहित्यिक अनुवाद पर विशेष सेमिनार आयोजित हुए, जिनमें रूसी और भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद की चुनौतियों पर चर्चा हुई।

भारतीय दूतावास विद्यालय (केन्द्रीय विद्यालय) मॉस्को के शिक्षक और विद्यार्थी भी पाँचों दिनों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने पुस्तक पठन, कविता पाठ, चर्चाओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लेकर अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त किया। इस पुस्तक मेले ने न केवल भारत-रूस साहित्यिक संबंधों को नई ऊर्जा दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि पुस्तकें संस्कृतियों को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

केन्द्रीय विद्यालय मॉस्को के विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध भारतीय लेखक श्री अक्षत गुप्ता से की मुलाक़ात।

गणित की खोज: IIT गांधीनगर में छह दिवसीय कार्यशाला

■ **आदित्य नाथ त्रिपाठी**
टीजीटी गणित, केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, एफ.सी.आई , गोरखपुर

हाल ही में मुझे गणित को एक बिल्कुल नए दृष्टिकोण से देखने और समझने का अवसर मिला, जब मैंने 22 से 27 जुलाई 2025 तक रचनात्मक शिक्षा केंद्र, आईआईटी गांधीनगर में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला “The Adventures of A4 Sheet: Middle School Geometry with Paper Folding” में भाग लिया। इस कार्यशाला का नेतृत्व प्रोफेसर मनीष जैन ने किया, और यह मेरे लिए एक अत्यंत समृद्ध और प्रेरणादायक अनुभव रहा।

सत्रों के दौरान यह जानना अत्यंत रोचक था कि प्राचीन विद्वानों ने त्रिकोणमिति और समानता का उपयोग करते हुए कैसे पृथ्वी और चंद्रमा की त्रिज्या का अनुमान लगाया। मधुमक्खियों के षट्भुज छत्तों की संरचना पर हुई चर्चा ने यह स्पष्ट किया कि गणित केवल कक्षा की चारदीवारी में सीमित नहीं, बल्कि प्रकृति के हर रूप में समाहित है।
इस कार्यशाला में हमने जिन शिक्षण विधियों का अनुभव किया, उनमें कागज मोड़ना, स्ट्रिंग आर्ट, फ्लेक्सागन, सिंगल-कट गतिविधियाँ, टेस्सेलेशन और ज्यामितीय संरचनाएँ शामिल रही। इस कार्यक्रम ने गणितीय सिद्धांतों को एक ठोस, अनुभवात्मक रूप में सामने रखा। यह दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में वर्णित अनुभवात्मक, हाथों-हाथ और अंत:विषय शिक्षण के विचारों से पूरी तरह मेल खाता है।

विद्यार्थियों की भागीदारी देखकर यह महसूस हुआ कि जब शिक्षण रचनात्मक और सहभागितापूर्ण होता है, तो विषय की जटिलताएँ भी आनंदमय बन जाती हैं। बच्चों ने स्वयं कार्टेशियन प्लेन तैयार किया, और थेल्स प्रमेय को इंटरैक्टिव मॉडल्स के माध्यम से समझा। साधारण कागज़ की शीट ने जब तितलियों, गुड़ियों और फूलों का रूप लिया, तो यह स्पष्ट हुआ कि गणित कला का रूप भी धारण कर सकता है।

इस कार्यशाला ने मुझे यह गहराई से समझाया कि गणित केवल संख्याओं, समीकरणों तक सीमित नहीं है। यह एक भाषा है, जो हमें प्रकृति, रचनात्मकता और तर्क से जोड़ती है। इस अनुभव ने न केवल मेरी सोच को विस्तारित किया, बल्कि शिक्षण की मेरी पद्धति को भी समृद्ध किया। गणित का हर पाठ अब मेरे लिए सिर्फ एक अध्याय नहीं, बल्कि एक साहसिक यात्रा है, जहाँ हर मोड़ पर कुछ नया जानने, समझने और गढ़ने का अवसर छिपा है।

विद्यार्थी सरल तरीके से सीख रहे त्रिकोणमिति

गुवाहाटी में EduLead 2025 का सफल आयोजन

■ *पीएमश्री* **प्रकोष्ठ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मु.), नई दिल्ली**

केन्द्रीय विद्यालय संगठन और समग्र शिक्षा असम के संयुक्त तत्वावधान में Empowering School Leaders, Transforming Schools 2025 का पहला चरण 16 से 18 सितम्बर तक असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में आयोजित हुआ।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में पीएमश्री विद्यालयों के 40 प्राचार्यों और प्रधानाध्यापकों को के.वि.सं. के अनुभवी विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन और समापन डॉ. ओम प्रकाश, आईएएस, मिशन निदेशक, समग्र शिक्षा असम ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उद्घाटन सत्र में श्री नागेन्द्र गोयल, संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण), के.वि.सं. मुख्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

नेतृत्व

के.वि.सं. (मु.) द्वारा तैयार की गई। शैक्षणिक सत्रों का नेतृत्व कोर्स डायरेक्टर श्रीमती इंदिरा सैकिया बुरागोहाई, प्राचार्य, पीएम श्री के.वि. सीआरपीएफ अमेरिगोग ने किया। उन्हें श्री पुरुषोत्तम सिन्हा (के.वि. खानापारा) और श्री राहुल कुमार (के.वि. एएफएस जोरहाट) का सहयोग भी प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के प्रमुख विषय

प्रशिक्षण में निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पीएम श्री लक्ष्यों का क्रियान्वयन
- शैक्षिक नेतृत्व एवं विद्यालय प्रबंधन
- डिजिटल एकीकरण एवं कक्षाओं में आईसीटी का प्रयोग
- हरित एवं सुरक्षित विद्यालय पहल
- पुस्तकालय स्वचालन एवं नवाचार
- अधिगम परिणाम एवं मूल्यांकन रणनीतियाँ
- सामुदायिक साझेदारी एवं अभिसरण

EduLead के प्रतिभागियों ने किया पीएम श्री के.वि. खानापारा का भ्रमण।

प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु उन्हें **पीएम श्री के.वि. खानापारा** का भ्रमण कराया गया, जहाँ ईच-वन-रीच-वन और मिशन केयर की सभी ने सराहना की।

आगे की राह

EduLead 2025 कुल 8 बैचों में आयोजित होगा, जिसमें असम के 382 पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया जाएगा। यह पहल के.वि.सं. और समग्र शिक्षा असम द्वारा संयुक्त रूप से विद्यालय नेतृत्व सशक्तिकरण में एक मील का पत्थर है, जो विद्यालयों को रूपांतरित करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

स्पेशल स्टोरी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग से तैयार होती भविष्य की राह

पीएमश्री प्रकोष्ठ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मु.), नई दिल्ली

देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में शिक्षण में नया आयाम जुड़ गया है। कक्षा 8 के विद्यार्थियों ने अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (AI-ML) की शिक्षा का प्रत्यक्ष अनुभव लेना शुरू कर दिया है। यह पहल पीएम श्री योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से शुरू की गई है।

देशभर में 37,792 विद्यार्थियों ने पाँच दिन, 30 घंटे लंबे कार्यशालाओं में भाग लिया, जहाँ उन्होंने कोडिंग और एआई की मूलभूत बातें सीखीं, जिसमें पायथन उनकी रचनात्मकता का प्रमुख औज़ार बना। पारंपरिक ब्लैकबोर्ड की जगह लैपटॉप और प्रोजेक्टर ने ली, और कक्षाएँ प्रयोगशालाओं में बदल गईं जहाँ जिज्ञासा और नवाचार केंद्र में थे।

छठे दिन विद्यार्थियों ने एनआईईएलआईटी केन्द्रों का दौरा किया, जहाँ उन्होंने साधारण (AI-ML) मॉडल बनाए और तकनीक को क्रियान्वित होते देखा। इससे उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि मशीनें कैसे सीखती हैं और तकनीक वास्तविक जीवन को कैसे प्रभावित करती है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, आईटीबीपी, देहरादून के विद्यार्थियों ने एनआईईएलआईटी देहरादून अध्ययन केंद्र का किया भ्रमण।

आत्मविश्वास, जिज्ञासा और प्रमाणपत्र

इस पहल से विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक लाभ ही नहीं हुआ, बल्कि-

- (AI-ML) की अवधारणाओं की मजबूत नींव पड़ी।
- सरल मॉडल डिजाइन करने और परखने का आत्मविश्वास मिला।
- उद्योगों और जीवन में AI के प्रभाव का व्यापक दृष्टिकोण विकसित हुआ।
- आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता मजबूत हुई।

कई विद्यार्थियों ने इस अनुभव के बाद डेटा साइंटिस्ट बनने और समाज की समस्याएँ हल करने वाले एप विकसित करने की आकांक्षा व्यक्त की। शिक्षकों ने भी देखा कि कोडिंग गतिविधियों के दौरान सबसे शांत विद्यार्थी भी सक्रिय होकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण हो रहे थे। कार्यक्रम के अंत में एनआईईएलआईटी द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

के.वि.सं. ने प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ साझेदारी की।

भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या: लगभग 37,792

कार्यक्रम की समयावधि: अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक।

प्रमाणीकरण: कार्यक्रम पूर्ण करने वाले सभी विद्यार्थियों को एनआईईएलआईटी द्वारा डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की अवधि: कुल 6 दिन (5 दिन विद्यालय में प्रशिक्षण + 1 दिन अनुभवात्मक भ्रमण)

प्रोग्रामिंग भाषा: पायथन को प्राथमिक कोडिंग टूल के रूप में परिचित कराया गया।

कल की ओर एक कदम

यह पहल केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वादा है कि केन्द्रीय विद्यालय भविष्य की पीढ़ियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलता रहेगा। व्यावहारिक शिक्षा और वास्तविक अनुभव को जोड़कर के.वि.सं. ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उस दृष्टि को साकार किया है, जिसमें विद्यार्थी केवल शैक्षणिक रूप से ही नहीं, बल्कि नवाचारी, अनुकूलनशील और भविष्य के लिए भी तैयार हों।

इस एआई/एमएल कार्यक्रम की सफलता ने सिद्ध कर दिया है कि शिक्षा का भविष्य अब किसी दूर के सपने की तरह नहीं, बल्कि केन्द्रीय विद्यालयों की कक्षाओं में जीवंत हकीकत बन चुका है।

संस्कृत प्रवाह

अधमा: धनमिच्छन्ति धनम् मानम् च मध्यमा: ।
उत्तमा: मानमिच्छन्ति मानो हि महताम् धनम् ॥

अर्थ

अधम केवल धन चाहते हैं, मध्यम स्तर के लोग धन और सम्मान दोनों की इच्छा करते हैं, जबकि उत्तम व्यक्ति सिर्फ सम्मान चाहते हैं, क्योंकि सम्मान ही महान पुरुषों का वास्तविक धन है।

नवीनतम प्रकाशन

पढ़ने के लिए स्कैन करें!

माह का वीडियो

देखने के लिए स्कैन करें!

केन्द्रीय विद्यालयों में एआई विद्यासेतु की पहल

विचारणीय विचार

यदि किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मन वाला राष्ट्र बनना है, तो मेरा दृढ़ विश्वास है कि इसके लिए तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं - पिता, माता और शिक्षक।

~ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

सितंबर 2025 की झलकियाँ

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कोरापुट के शिक्षक श्री तरुण कुमार दाश को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 से अलंकृत किया गया। इस दौरान मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान भी मंच पर उपस्थिति रहे। इस पुरस्कार के अंतर्गत उन्हें एक पदक, प्रशस्ति पत्र और नकद राशि प्रदान की गई। इससे पहले उन्हे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने का अवसर मिला। श्री दाश को यह पुरस्कार उनकी रचनात्मक लघु फिल्मों (पहिया कुर्सी, दादाजी का थैला, सड़क, मास्टर जी, बच्चों की जुबानी, परिवर्तन और घर-घर तिरंगा) के माध्यम से शिक्षा की अलख जगाने और समाज को प्रेरित करने के लिए दिया गया। श्री दाश द्वारा निर्मित प्रेरणादायी लघु फिल्मों की एक विशेषता यह भी है कि उनकी फिल्मों में केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों द्वारा ही अभिनय किया गया है।

के.वि.सं. राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित

गांधीनगर, 14 सितम्बर: *केन्द्रीय विद्यालय संगठन* को वर्ष 2024–25 के लिए *राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार)* से सम्मानित किया गया। यह सम्मान *हिंदी दिवस 2025* एवं *पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन* के अवसर पर प्रदान किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर, गुजरात में किया। यह पुरस्कार के.वि.सं. की आयुक्त मा. सुश्री प्राची पांडेय ने मा. केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल तथा संसदीय राजभाषा समिति के संयोजक श्री दिनेश शर्मा से प्राप्त किया। लगातार दूसरे वर्ष के.वि.सं. को यह सम्मान मिला है, जो हिंदी के संवर्धन एवं प्रभावी कार्यान्वयन में उसके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। गौरतलब है कि के.वि.सं. को यह सम्मान पूर्व में 2019, 2021 और 2024 में भी प्रदान किया जा चुका है।

के.वि. से प्रभावित हुआ जापानी प्रतिनिधिमंडल

शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जापानी एंबेसी स्कूल, नई दिल्ली की प्राचार्या एवं शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल 22 सितंबर को केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर-12, द्वारका का शैक्षिक दौरा करने पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों जैसे- स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशाला, कला दीर्घा, पुस्तकालय, संगीत एवं योग कक्ष का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय के जीवंत शैक्षिक वातावरण, अनुशासित विद्यार्थियों, तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा शिक्षकों की रचनात्मक शिक्षण-पद्धति की सराहना की। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय हैं।

प्रशिक्षण एवं विकास सप्ताह

8 सितम्बर 2025 को के.वि.सं. की आयुक्त, सुश्री प्राची पांडेय द्वारा प्रशिक्षण एवं विकास सप्ताह 2025 का उद्घाटन किया गया। सप्ताहभर चले इस विशेष आयोजन में शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षता, नवाचार और रचनात्मकता को सुदृढ़ किया गया। इस पहल के तहत शिक्षकों की क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने, नवीन शिक्षण पद्धतियों के अन्वेषण और आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम में कला-संयुक्त पाठ योजनाएँ तैयार करने पर भी बल दिया गया है ताकि शिक्षण प्रक्रिया को अधिक आकर्षक, अनुभवात्मक और समग्र बनाया जा सके। यह आयोजन के.वि.सं. की उस दूरदर्शी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, जिसके अंतर्गत शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण कौशलों से लैस कर नई शिक्षा नीति 2020 की भावना को साकार किया जा रहा है। साथ ही इस प्रोजेक्ट के माध्यम से यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक विद्यार्थी को समान सीखने के अवसर प्राप्त हो। प्रशिक्षण एवं विकास सप्ताह 2025 के.वि.सं. के शिक्षकों के लिए एक ऐसा मंच है, जो उन्हें न केवल सीखने के नए अवसर प्रदान करता है बल्कि उन्हें भविष्य की शिक्षा प्रणाली के अनुरूप सशक्त, सक्षम और प्रेरणादायक शिक्षक बनने की दिशा में भी अग्रसर करता है।

रूस में हिंदी की धूम मचाता के.वि. मॉस्को

हिंदी पखवाड़ा उत्सव के तहत केन्द्रीय विद्यालय, मॉस्को ने 15 सितम्बर 2025 से बीआरआईसीएस इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी शिक्षण की शुरुआत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिंदी, भारतीय संस्कृति और महात्मा गांधी से जुड़े अनेक प्रश्न उत्सुकता से पूछे। हिंदी सीखने के दौरान जब उन्हें हिंदी और रूसी शब्दों के बीच रोचक समानताएँ मिलीं तो उनका उत्साह और बढ़ गया। इस पहल ने न केवल भाषा के प्रति रुचि जगाई बल्कि भारत-रूस की सांस्कृतिक निकटता को भी और मजबूत किया।

हिंदी पखवाड़ा

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में सितम्बर 2025 के दौरान देशभर के सभी केन्द्रीय विद्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों, ज़ी.ट्स तथा के.वि.सं. (मु.) में हिन्दी पखवाड़ा उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर निबंध लेखन, वाद-विवाद, कविता पाठ, भाषण एवं सुलेख जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर एवं राष्ट्रीय पहचान का अभिन्न प्रतीक है।

SWACHHOTSAV
Swachhata Hi Seva 2025
A Swachh Bharat Mission Initiative

के.वि.सं.(मु.) में स्वच्छता शपथ

22 सितम्बर 2025 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत भीष्म सभागार में के.वि.सं. (मु.) के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ग्रहण की।इस अवसर पर सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने कार्यस्थल, आस-पास के वातावरण तथा समाज में स्वच्छता बनाए रखने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। शपथ समारोह के दौरान वक्ताओं ने स्वच्छता को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा मानने पर बल दिया।

के.वि. 1 संबलपुर की प्रदर्शनी

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के मुख्य आतिथ्य में संबलपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसामान्य में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को व्यापक रूप से फैलाना था। इस अवसर पर पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, संबलपुर के विद्यार्थियों ने "स्वच्छता अभियान" और "एक पेड़ माँ के नाम" विषयों पर आकर्षक चित्रकला प्रदर्शनी प्रस्तुत की।

एक दिन एक घंटा एक साथ

के.वि.सं. (मु.) परिवार ने 25 सितंबर 2025 को स्वच्छता ही सेवा अभियान में अनुकरणीय भूमिका निभाई। सुबह 8 बजे, **एक दिन, एक घंटा, एक साथ** पहल के अंतर्गत पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 दिल्ली, के पास स्थित ए.पी.एस. कॉलोनी में माननीय सचिव, शिक्षा विभाग (DoSEL) श्री संजय कुमार और आयुक्त, के.वि.सं. श्रीमती प्राची पांडेय के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ साफ-सफाई की और देश को स्वच्छता का संदेश दिया।

चमकते सितारे

केन्द्रीय विद्यालय की शिक्षिका बनी 'कौन बनेगा करोड़पति 17' की प्रतियोगी

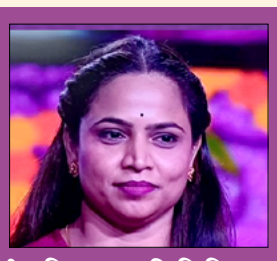

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर-5, द्वारका की पीजीटी केमिस्ट्री की शिक्षिका सुश्री मीनाक्षी यादव को प्रसिद्ध टीवी क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति 17 में भाग लेने का अवसर मिला। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय परिवार को गर्वित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि हमारे शिक्षकों की प्रतिभा और ज्ञान का स्तर केवल कक्षा तक सीमित नहीं है।

गौरव का क्षण

केन्द्रीय विद्यालय नूमाटी के टीजीटी (कला) शिक्षक श्री कौश्लेश कुमार को समकालीन कला एवं आर्ट फोटोग्राफी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रतिभा के लिए राधा मोहन पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान पटना के होटल मौर्य में आयोजित भव्य कला पुरस्कार समारोह में प्रदान किया गया, जहाँ बिहार के मा. कला, संस्कृति एवं युवा मंत्री श्री मोतीलाल प्रसाद ने प्रशस्ति पत्र देकर श्री कुमार को अलंकृत किया।

चीन की ओर उड़ान

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, कालीकट की छात्रा कार्थिका सी ने अपने अद्वितीय खेल कौशल का परिचय देते हुए U-15 वॉलीबॉल कोचिंग कैंप में चयन प्राप्त किया है। यह कैंप ISF U-15 वॉलीबॉल चैंपियनशिप, शांगलुओ, चीन (4–13 दिसंबर 2025) की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है।

शतरंज में जीता कांस्य पदक

केन्द्रीय विद्यालय अकंपट के प्रतिभाशाली छात्र लांचेनबा नगरिंगबाम ने द्वितीय सिंगजमेई निर्वाचन क्षेत्र मेंबर एमएलए ट्रॉफी स्टेट लेवल ओपन शतरंज टूर्नामेंट 2025 (अंडर-16) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने न केवल विद्यालय का गौरव बढ़ाया है, बल्कि पूरे राज्य को भी गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता में राज्यभर से अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनके बीच लांचेनबा ने अपने कौशल, एकाग्रता और रणनीतिक सोच का परिचय देते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

राज्यस्तर पर चमके रजनीश

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नालंदा के प्रतिभाशाली छात्र रजनीश कुमार ने राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर और 800 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक जीते। अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर अब वे चेन्नई में आयोजित होने वाली पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाग लेकर राज्य और विद्यालय का परचम लहराएंगे।

तलवारबाज़ी की कला

केन्द्रीय विद्यालय अकंपट के प्रतिभाशाली छात्र युम्मम थोइहेनबा सिंह ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 21वीं गवर्नर कप स्टेट फेंसिंग टूर्नामेंट 2025 में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय और संभाग का नाम रोशन किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता SAI-NERC, ताक्येलपट में आयोजित की गई थी, जिसमें राज्यभर से कई श्रेष्ठ फेंसर्स ने भाग लिया। तीव्र प्रतिस्पर्धा के बीच थोइहेनबा ने अपने आत्मविश्वास, एकाग्रता और उत्कृष्ट तकनीक के दम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए यह सम्मान हासिल किया।

वंशिका की अतुलनीय उपलब्धि

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय, प्रेसीडेंट एस्टेट, नई दिल्ली की मेधावी छात्रा वंशिका भट्ट ने अपनी रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल का परिचय देते हुए CBSE द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता 2024-25 में सेकेंडरी श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों और सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

जिम्नास्टिक्स में प्रथम स्थान

केन्द्रीय विद्यालय अकंपट की प्रतिभाशाली छात्रा चानाम लुचिंगबी ने अपनी उत्कृष्ट खेल क्षमता और संतुलन कौशल का परिचय देते हुए चौथी इनविटेशन जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल विद्यालय का गौरव बढ़ाया, बल्कि पूरे राज्य को भी गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में चनाम ने अपनी सटीक तकनीक, लचीलेपन और आत्मविश्वास से निर्णायकों का दिल भी जीता।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में मॉस्को में विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस द्वारा "आओ हिंदी सीखें" अंतरराष्ट्रीय विडियो संवाद प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया। इसमें केन्द्रीय विद्यालय, मॉस्को के विद्यार्थियों ने हिन्दी के प्रति अपने प्रेम को उजागर करते हुए अपने कौशल का परिचय दिया। जहां के.वि मॉस्को के विद्यार्थी नीतिज्ञ साहू और साबिर इम्तियाज सुल्तानपुरी ने इस वीडियो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, तो वहीं नवपुण्या नवीन एवं दीपाली चौधरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रथम

द्वितीय

संरक्षक: प्राची पाण्डेय, आयुक्त, के.वि.सं.
प्रधान संपादक: चंदना मंडल, अपर आयुक्त (शै.)
संपादक मंडल: डि. मणिवण्णन, संयुक्त आयुक्त (शै.)
रत्ना पाठक, सहायक शिक्षा अधिकारी
सचिन राठौर, सहायक संपादक
सहभागी: समस्त केन्द्रीय विद्यालय
सभी संभाग अपनी टिप्पणी और विशेष स्टोरी निम्न मेल आईडी पर भेज सकते हैं: kvschronicle@gmail.com
© केन्द्रीय विद्यालय संगठन
यह ई-प्रकाशन केवल आंतरिक वितरण हेतु के.वि.सं. (मु.) द्वारा प्रकाशित।